

PRATHAM BOOKS
A Book in Every Child's Hand

पठन स्तर ३

अन्ना मणि – एक प्रखर मौसम विशेषज्ञा

Author: Nandita Jayaraj
Illustrator: Priya Kuriyan
Translator: Puja Omveer Rawat



“फू! फू!” अन्ना मणि ने अपने जन्मदिन के केक पर लगी हुई आठों मोमबत्तियाँ फूंक मारकर बुझा दीं।
“जन्मदिन मुबारक हो, अन्ना!”, उसके भाई बहन चिल्लाए।
अन्ना का परिवार काफी बड़ा था। और पहाड़ी पर बना उनका घर भी।
पर अपने जन्मदिन पर उसकी बस एक छोटी सी इच्छा थी।



अन्ना मणि ने अपना जन्मदिन का उपहार फाड़कर खोला और धीरे से अंदर झाँका। अंदर कुछ चमक रहा था।
“हीरे के बुँदे? अइए!”
उसको हीरे के बुँदे नहीं चाहिए थे। वे काफी महंगे तो थे पर उसके लिए बिलकुल बेकार थे।
क्या आप जानते हैं की अन्ना वाकई में क्या चाहती थी?
बस किताबें, किताबें और ढ़ेर सारी किताबें।



“हमारे घर में किताबें हैं तो सही,” उसका भाई बोला। पर अन्ना तो पहले ही उनको पढ़ चुकी थी।
“पुस्तकालय में और भी किताबें हैं,” उसके पिता ने इशारा किया। पर अन्ना ने उन सबको भी पढ़ डाला था।
वह नाराज़ होकर अपने कमरे में चली गयी।
“हुँह!”



कुछ देर बाद, अन्ना मणि के दरवाज़े पर एक दस्तक हुई। पर बाहर तो कोई भी नहीं था! पर कुछ तो था! वहीं दरवाज़े के पास रखा था एक बहुत बड़ा डब्बा।
“अच्छा होगा अगर इसमें और गहने ना हों,” उसने ज़ोर से कहा। डब्बे में गहने नहीं थे। उसमें था एकदम नया विश्वकोश संग्रह।
“इतनी सारी किताबें, अहा!”
अन्ना भागती हुई बाहर गई और सभी घरवालों को गले लगाया।



बहुत सालों बाद और बहुत सारी किताबें पढनें के पश्चात अन्ना को एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक की प्रयोगशाला में नौकरी मिल गई। “मुझे यहाँ क्या करना होगा?” अन्ना ने पूछा। वैज्ञानिक ने एक डब्बे की तरफ इशारा किया।
क्या आप बता सकते हैं कि उसे डब्बे में क्या मिला?



“हीरे? अइए!” अन्ना ने कहा।
पर इस बार हीरों को पहनना नहीं था। वो परीक्षण के लिए थे।
वैज्ञानिक चाहता था की अन्ना मणि उस चीज़ को खोज निकाले जो हीरों को उनकी चमक प्रदान करती है। तो अन्ना ने हीरों के बारे में ज़्यादा जानकारी प्राप्त करने के लिए उससे सम्बंधित किताबें पढ़ना शुरू किया।

किताबें, किताबें,
ढ़ेर सारी किताबें।

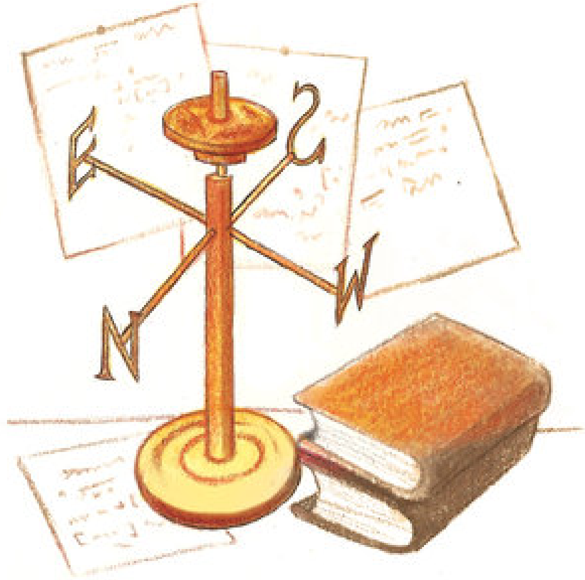
वैज्ञानिक होना उसके लिए सर्वोत्तम कार्य था। वो कुछ भी पढ़ सकती थी। जो भी उसकी इच्छा हो।
अन्ना ने उन सभी चीज़ों के बारे में पढ़ा जो चमकती हैं। और हीरों से ज़्यादा क्या चमकता है? सूरज!
तो अन्ना ने सूर्य से सम्बंधित किताबें पढ़ीं। सूर्य, सूर्य की किरणें और मौसम।
किताबें, किताबें और ढ़ेर सारी किताबें।





अन्ना ने हज़ारों प्रयोग किए।
उसने बहुत सारे ऐसे उपकरण बनाए जिनसे हम किसी भी जगह के मौसम की जानकारी प्राप्त कर सकें।





मुम्बई में कितनी गर्मी है?
अन्ना ने उसे नापने का एक उपकरण बनाया।

चेन्नई में कितनी हवा चल रही है?
अन्ना ने इसके लिए भी एक उपकरण बनाया।

उसके सबसे ख़ास उपकरण को बनाने में कई महीने लगे।
यह एक ख़ास तरीके का गुब्बारा है जिसे ओज़ोनसोंड कहते हैं। इस गुब्बारे से एक छोटा सा यन्त्र जुड़ा होता है जो हवा में पाई जाने वाली ओज़ोन गैस को नापता है।
यह गुब्बारा काफी ऊँचाई तक उड़ सकता है।
वो देखो! वो उड़ रहा है अन्ना मणि का ओज़ोनसोंड!





ज़रा अनुमान लगाइये की अन्ना मणि ने कुल मिलाकर कितने उपकरण बनाए?
करीबन एक सौ मौसमीय उपकरण!
उसका अपना एक संयन्त्र भी था जिसमें ये सारे उपकरण बनाये गए।
ऐसा लगता था मानो वह कुछ भी बना सकती थी।







अन्ना मणि देश की सबसे सबसे प्रखर मौसम विज्ञानियों में से एक बन गई।
यहाँ तक कि जब वह बुज़ुर्ग और अधिक विख्यात भी हो गई, तब भी उसके ख़ास मित्र नहीं बदले। उसके असली दोस्त वही रहे।
किताबें, किताबें और
ढ़ेर सारी किताबें।









कालानुसार अन्ना मणि का जीवन परिचय

२३ अगस्त, १९१८ - अन्ना मणि का जन्म पीरमेडु, केरल में हुआ।

१९४० – उन्हें बेंगलुरु स्थित सी.वी. रमन की प्रयोगशाला में कार्य करने हेतु छात्रवृत्ति मिली ।

१९४५ – वे मौसम विज्ञान की पढाई करने इंग्लैंड चली गईं।

१९४८ – वे वापस आकर भारतीय मौसम विभाग, पुणे से जुड़ गईं।

१९६२ – वे ओज़ोनसोंड परियोजना पर अपना कार्य आरंभ करती हैं।



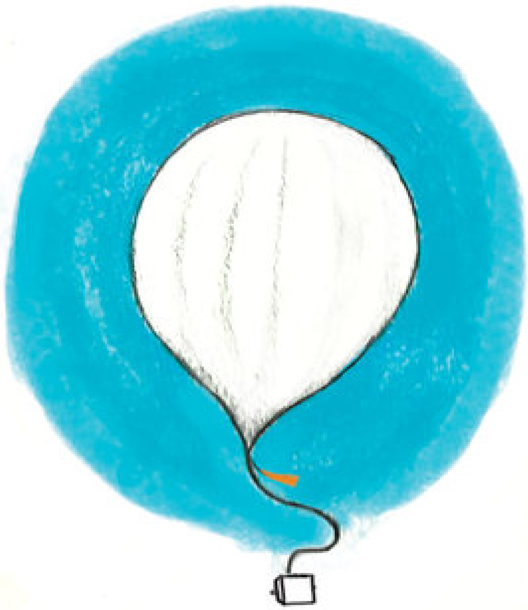






१९६२ – वे ओज़ोनसोंड परियोजना पर अपना कार्य आरंभ करती हैं।
१९७६ – वे भारतीय मौसम विभाग में उप महा निदेशक के पद से सेवामुक्त हुईं।
१९८० के दशक में (सटीक वर्ष अज्ञात) - अन्ना ने उपकरण बनाने की अपनी स्वयं की कंपनी शुरू की।
१६ अगस्त, २००१ - केरल में अन्ना मणि का देहांत हो गया।





मौसम से जुड़े मज़ेदार शब्द

मीटयोरोलॉजिस्ट (ऐसे बोलिए: 'मीट-योर-ओ-लो-जिस्ट'): ऐसे वैज्ञानिक जो विभिन्न क्षेत्रों के मौसम एवं जलवायु का अध्ययन करते हैं। अन्ना मणि ऐसे ही सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिकों में से एक थीं।

ओज़ोनसोंड (ऐसे बोलिए: 'ओह-ज़ोन-सोंड'):
ओज़ोनसोंड ऐसे गुब्बारे होते हैं जो आसमान में खूब ऊँचे उड़ते हैं। इन गुब्बारों में ऐसे उपकरण जुड़े होते हैं जो वायु में उपस्थित ओज़ोन की मात्रा को नापते हैं। ओज़ोन हमारे लिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि वो सूरज से
आने वाली हानिकारक किरणों से हमारा बचाव करती है। वायु में ओज़ोन की मात्रा का कम होना हमारे लिए चिंताजनक है।

अगर आप एक वैज्ञानिक बन पाएं तो आप किस विषय का अध्ययन करना चाहेंगें ?

पुस्तक के विषय में एक नोट

यह पुस्तक अन्ना मणि के जीवन पर आधारित एक वृतांत है।

Story Attribution:

This story: अन्ना मणि – एक प्रखर मौसम विशेषज्ञा is translated by Puja Omveer Rawat . The © for this translation lies with Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Anna's Extraordinary Experiments with Weather', by Nandita Jayaraj . © Pratham Books , 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

Thisbook was first published on StoryWeaver by Pratham Books. The development of this book has been supported by Oracle. We're grateful to science historian Abha Sur and meteorologist CR Sreedharan for their articles on Anna Mani, which helped give this story shape and form. Article links:
https://www.ias.ac.in/public/Resources/Initiatives/Women_in_Science/Contributors/annamani.pdf (by Abha Sur);
http://www.iisc.ernet.in/~currsci/oct252001/1129.pdf (by CR Sreedharan)

Images Attributions:

Cover page: Woman working seriously, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Girl blowing candles on her birthday cake, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Girl opening a box full of diamonds, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Girl is angry , by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Girl is excited to carry so many books, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Woman looking at man with confusion, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: Woman looking at diamonds in the box, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Woman reading with multiple books around, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Woman writing something seriously, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: An instrument for a science experiment, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

The development of this book has been supported by Oracle.

Images Attributions:

Page 11: Ozonesonde in the blue sky, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: Ozonesonde, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: Instrument for science experiment, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: Experiment lab with multiple instruments, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: Woman reading a book, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: Woman, a baby in a basket, buildings, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: Ozonesonde, a house, an instrument, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: Ozonesonde, a woman writing on paper, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

The development of this book has been supported by Oracle.

अन्ना मणि – एक प्रखर मौसम विशेषज्ञा

(Hindi)

अन्ना मणि एक भारतीय वैज्ञानिक थीं जिन्हें अपने चारों तरफ की दुनिया के बारे में पढ़ना बहुत पसंद था। चलिए झांकते हैं उनकी आठवीं सालगिरह के कुछ लम्हों में और देखते हैं उन्हें वैज्ञानिक बनते हुए।

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.